जबसे में खाटू आया | By Mukesh Sharma

मैंने कब कहा के मुझे दुनिया का माल दे
लगी है ठेस दिल से निकाल दे
मुझ गरीब का तो सांवरे इतना सवाल है
जो कुछ समझ आये तुहे मेरी झोली में डाल दे

जब से मैं खाटू आया तेरा प्यार मैंने पाया
जो भी मैंने चाहा तेरे दरस से श्याम पाया
जबसे मैं खाटू आया.....

लहरों में नाव बनकर धुप में छाव बनकर
तूने दिया सहारा हर मोड़ पे है आकर
लड़खड़ाया जब भी बाबा तूने मुझे संभाला
जबसे मैं खाटू आया.....

गर्दिश के दिन थे बाबा ना कोई था सहारा
ना कोई भी खुशी थी ना कोई था हमारा
अंधेरों में उजाला मेरे श्याम ने दिखाया
जबसे मैं खाटू आया.....

जिसने तुझे पुकारा उसको ही तूने तारा
तेरे दर से जो मिला है जाने सारा ज़माना
जय कौशिक जहाँ में देव यही निराला
जबसे मैं खाटू आया.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%ac%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a4%be-by-mukesh-sharma/